

*Editorial Board for the Shrinkhla Ek Shodhparak
Vaicharik Patrika, November 2019
Executive Board*

PATRON	EDITOR-IN -CHIEF	MANAGING EDITOR
Dr. M.D. Pathak Chairman, Centre for Research & Development of Waste & Marginal Land Ex. Director General , U.P. Council of Agriculture Research, U.P. Ex. Director , Research and Training, International Rice Research Institute, Manila, Philipines pathakmd1@gmail.com	Dr. Asha Tripathi Senior Vice-President , Social Research Foundation, Kanpur asha23346@gmail.com	Dr. Rajeev Mishra Secretary , S R F, Kanpur indra.rajeev@gmail.com shrinkhala2014@gmail.com 128/170 H' Block, Kidwai Nagar, Kanpur

EDITORIAL-ADVISORY BOARD

Political Science and International Relation	Sociology and Social Anthropology	Library & Information Science
Prof. Vandana Asthana Eastern Washington University, Cheney, WA	Dr. K. Bharathi Arba Minch University, Arba Minch, Ethiopia, North Africa,	Dr. U. C. Shukla Fiji National University, Lautoka, Fiji

Education	English
Dr. Parveen Kumar Principal, Himalayan Doon Academy (B.Ed.) College, Roorkee, Uttarakhand, India	Dr. Anshu Radha Agarwal Principal, Aravali College of Education, Pali, Ballarbgarh, Faridabad, Haryana, India

Economics	Political Science
Dr. Madan Mohan Head & Associate Professor, Jai Narayan Vyas University, Jodhpur, Rajasthan, India	Mrs. Rupa Shekhawat Associate Professor, Govt. Lohiya College, Churu, Rajasthan

Dr. Rakesh Lal Assistant Professor, D.A-V. P.G. College, Dehradun, Uttarakhand, India

सम्पादकीय.....

सुधी पाठकों,

मित्रों, भारतीय शिक्षा की त्रासदी यह है कि सत्तासीन व सत्ता से बाहर सभी राजनेता व शिक्षाविद् इसके महत्व और मानव-निर्माण के महत्व को स्वीकार तो करते हैं किन्तु इस तरफ कोई ध्यान नहीं देते— यहाँ तक कि इसकी उपेक्षा भी करते रहे हैं। आर्थिक विकास की तुलना में हम विकास की तुलना में हम विकास के इस सर्वोत्तम साधन को बहुत गौण स्थान देते रहे हैं। निःसन्देह प्राथमिक शिक्षा को राष्ट्र के विकास की नींव माना जाता है लेकिन वही क्षेत्र सबसे ज्यादा उपेक्षित रहा है। अपने ही प्रदेश में प्राथमिक विद्यालयों की हालत किसी से छुपी नहीं है। अधिकांश शिक्षकों के पद रिक्त चल रहे हैं। परिणाम यह है कि एक या दो शिक्षकों से ही पूरे विद्यालय की शिक्षा व्यवस्था चलवाई जा रही है।

गुणवत्ता की दृष्टि से तो स्थिति और भी खराब है एक ओर हम सभी के लिए शिक्षा का अभियान चला रहे हैं तो दूसरी तरफ लाखों बच्चों को केवल अक्षर ज्ञान करा देने की धोखा धड़ी कर रहे हैं और राष्ट्र की भावी पीढ़ी के भविष्य को अन्धकारमय बना रहे हैं। उच्च शिक्षा की स्थिति भी कुछ इससे अच्छी नहीं है। आखिर कब तक ऐसा चलेगा? आखिर कब तक हम भारत के पढ़े लिखे कहे जाने वाले प्रबुद्ध नागरिक भी अपनी ओर से कोई अपनी पहल न करके सरकार की तरफ निहारते रहेंगे।

हम यह उम्मीद करते हैं कि आप अपने नये तार्किक विचारों को हमारे शोध प्रकाशन में प्रकाशित करते हुए शिक्षा की गुणवत्ता को बनाए रखने वाले इस यज्ञ में अपना अमूल्य योगदान देते रहेंगे।

धन्यवाद.....

Rajeev Mishra

(डा० राजीव मिश्रा)
सम्पादक

मुद्रक/प्रकाशक डा० राजीव कुमार मिश्रा द्वारा ए. एण्ड एस. कम्प्यूटर्स, 127/1/61, डब्ल्यू-1, साकेत नगर, कानपुर से मुद्रित एवं 128/170, एच ब्लॉक, किदवई नगर, कानपुर से प्रकाशित।

संपादक : डा० राजीव कुमार मिश्रा, Mobile No. 9335332333, 9839074762

Mail id: socialresearchfoundation2010@gmail.com, socialresearchfoundationkanpur@gmail.com, socialresearchfoundation@gmail.com, website: www.socialresearchfoundation.com